अध्याय- चतुर्थ

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

अध्याय -चतुर्थ
प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

4.1 प्रस्तावना

4.2 प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

अध्याय –चतुर्थ

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

4.1 प्रस्तावना –

अध्ययन हेतु स्वयं निर्मित उपकरण के माध्यम से अध्ययन हेतु चुने गये न्यादर्श द्वारा प्रदत्तों का संकलन किया गया। प्राप्त प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या इस अध्याय में की गई हैं। स्वनिर्मित परिकल्पनाओं की स्वीकृति तथा अस्वीकृति हेतु प्रदत्तों का समूह व उपसमूह में विभाजन कर विश्लेषण तथा अंतिम परिणाम ज्ञात किया जाता है, जो नवीन सिद्धांत की खोज अथवा सामान्यीकरण रूप में होता है। प्रदत्तों के विश्लेषण के अंतर्गत उनकी समस्याओं का अनेक परीक्षणों द्वारा शोध के उद्देश्यों का निर्णय प्राप्त किया जाता हैं।

❖ **जे.एच.पाइनकर के शब्दों में–**

"एक मकान का निर्माण पत्थरों से होता है, किन्तु पत्थरों के ढ़ेर से नहीं। वरन् जटिल पत्थरों को सुव्यवस्थित रूप से रखने से होता है, वैज्ञानिक तथ्य का निर्माण भी तथ्यों के संकलन उपरांत उचित विश्लेषण तथा व्याख्या द्वारा होता हैं।"

❖ **पी.व्ही.युग के शब्दों में–**

"संकलित तथ्यों के उचित संस्थिति के रूप व्यवस्थित कर विचारपूर्ण आधारशिला की स्थापना करना ही विश्लेषण है अर्थात् विश्लेषण शोा का सृजनात्मक पक्ष हैं।"

प्रस्तुत अध्याय में उचित विधियों का उपयोग करके प्राप्त प्रदत्तों का विश्लेषण करने का प्रयास किया गया है। इस शोध हेतु जो परिकल्पनायें रखी गई है जिसकी जाँच करने के उपरांत त्वरित प्रदत्तों के निरंतर प्रस्तुतीकरण के लिए शोध समस्या के अध्ययन से निकले परिणाम की व्याख्या की गई है।

4.2 प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या –

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या परिकल्पना के अनुसार निम्नलिखित हैं।

परिकल्पना – 1

कक्षा 7वीं के छात्र एवं छात्राओं की हिन्दी भाषा में अधिगम कठिनाई में कोई सार्थक अंतर नहीं हैं।

तालिका क्रमांक 4.2.1

लिंग के आधार पर हिन्दी भाषा में अधिगम कठिनाईयों में सार्थकता

क्र.	लिंग	विद्यार्थियों की संख्या (N)	मध्यमान (M)	प्रमाणित विचलन (S.D.)	स्वतंत्रता की कोटि (d.f.)	टी मूल्य (t)	सार्थक अंतर
1.	छात्र	60	33.72	6.87	118	1.39	नहीं हैं
2.	छात्राऐं	60	34.95	7.00			

✷ 0.01 सार्थकता स्तर

तालिका क्रमांक 4.2.1 से स्पष्ट होता है कि स्वतंत्रता की कोटि (d.f) 118 का 'टी' मूल्य (t) 1.39 है, जो 0.01सार्थकता स्तर पर टेबल मूल्य 2.62 की तुलना में कम है। यहाँ शून्य परिकल्पना को अस्वीकृत किया जायेगा। इसलिए कहा जा सकता है कि कक्षा 7वीं के छात्र एवं छात्राओं की हिन्दी भाषा में अधिगम कठिनाई में सार्थक अंतर नहीं हैं।

परिकल्पना – 2

कक्षा 7वीं के ग्रामीण क्षेत्र के छात्र एवं छात्राओं की हिन्दी भाषा में अधिगम कठिनाई में कोई सार्थक अंतर नहीं हैं।

तालिका क्रमांक 4.2.2

ग्रामीण क्षेत्र के छात्र एवं छात्राओं की हिन्दी भाषा में अधिगम कठिनाईयों में सार्थकता

क्र.	लिंग	विद्यार्थियों की संख्या (N)	मध्यमान (M)	प्रमाणित विचलन (S.D.)	स्वतंत्रता की कोटि (d.f.)	टी मूल्य (t)	सार्थक अंतर
1.	छात्र	30	37.97	5.10	58	1.54	नहीं हैं
2.	छात्राऐं	30	35.80	5.77			

✷ 0.01 सार्थकता स्तर

तालिका क्रमांक 4.2.2 से स्पष्ट होता है कि स्वतंत्रता की कोटि (d.f) 58 का 'टी' मूल्य (t) 1.54 है, जो 0.01सार्थकता स्तर पर टेबल मूल्य 2.66 की तुलना में कम है। यहाँ शून्य परिकल्पना को अस्वीकृत किया जायेगा। इसलिए कहा जा सकता है कि ग्रामीण क्षेत्र के छात्र एवं छात्राओं की हिन्दी भाषा में अधिगम कठिनाई में सार्थक अंतर नहीं हैं।

परिकल्पना – 3

कक्षा 7वीं के शहरी क्षेत्र के छात्र एवं छात्राओं की हिन्दी भाषा में अधिगम कठिनाई में कोई सार्थक अंतर नहीं हैं।

तालिका क्रमांक 4.2.3

शहरी क्षेत्र के छात्र एवं छात्राओं की हिन्दी भाषा में अधिगम कठिनाईयों में सार्थकता

क्र.	लिंग	विद्यार्थियों की संख्या (N)	मध्यमान (M)	प्रमाणित विचलन (S.D.)	स्वतंत्रता की कोटि (d.f.)	टी मूल्य (t)	सार्थक अंतर
1.	छात्र	30	29.47	5.72	58	0.90	नहीं हैं
2.	छात्राऐं	30	38.10	5.08			

✷ 0.01 सार्थकता स्तर

तालिका क्रमांक 4.2.3 से स्पष्ट होता है कि स्वतंत्रता की कोटि (d.f) 58 का 'टी' मूल्य (t) 0.90 है, जो 0.01सार्थकता स्तर पर टेबल मूल्य 2.66 की तुलना में कम है। यहाँ शून्य परिकल्पना को अस्वीकृत किया जायेगा। इसलिए कहा जा सकता है कि शहरी क्षेत्र के छात्र एवं छात्राओं की हिन्दी भाषा में अधिगम कठिनाई में सार्थक अंतर नहीं हैं।

परिकल्पना – 4

कक्षा 7वीं के ग्रामीण क्षेत्र एवं शहरी क्षेत्र के छात्र एवं छात्राओं को हिन्दी भाषा में अधिगम कठिनाई में कोई सार्थक अंतर नहीं हैं।

तालिका क्रमांक 4.2.4

ग्रामीण क्षेत्र एवं शहरी क्षेत्र के छात्र एवं छात्राओं की हिन्दी भाषा में अधिगम कठिनाईयों में सार्थकता

क्र.	स्थान	विद्यार्थियों की संख्या (N)	मध्यमान (M)	प्रमाणित विचलन (S.D.)	स्वतंत्रता की कोटि (d.f.)	टी मूल्य (t)	सार्थक अंतर
1.	ग्रामीण	60	36.88	5.51	118	7.81	हैं
2.	शहरी	60	38.78	5.84			

0.01 सार्थकता अंतर

तालिका क्रमांक 4.2.4 से स्पष्ट होता है कि स्वतंत्रता की कोटि (d.f) 118 का 'टी' मूल्य (t) 7.81 है, जो 0.01सार्थकता स्तर पर टेबल मूल्य 2.62 की तुलना में ज्यादा है। यहाँ शून्य परिकल्पना को स्वीकृत किया जायेगा। इसलिए कहा जा सकता है कि ग्रामीण क्षेत्र एवं शहरी क्षेत्र के छात्र एवं छात्राओं की हिन्दी भाषा में अधिगम कठिनाई में सार्थक अंतर हैं।

4.3 हिन्दी भाषा में अधिगम कठिनाईयों की स्थिति –

हिन्दी भाषा में अधिगम कठिनाईयों को जानने के लिए शोधकर्ता द्वारा स्वनिर्मित प्रश्नपत्र का निर्माण किया गया। जिसमें व्याकरण के 10 बिन्दुओं का समावेश किया गया था, जो निम्नलिखित हैं।

1. समानार्थी शब्द
2. बिरुद्धार्थी शब्द
3. बहुवचन

4. लिंग

5. शब्दों का शुद्ध रूप

6. वाक्य बनाना

7. अर्थभेद

8. विराम चिह्न

9. वाक्य के प्रकार

10. मुहावरें

प्रत्येक बिन्दु में एक अंक के 5 प्रश्न पूछे गये । जिससे हिन्दी व्याकरण संबंधित अधिगम कठिनाईयों को जाना जा सके। तालिकाओं में प्रत्येक बिन्दु की आवृत्ति एवं प्रतिशत निकाला गया है जो निम्नलिखित हैं।

4.3.1 समानार्थी शब्द–

तालिका क्रमांक 4.3.1

समानार्थी शब्द में विद्यार्थियों की आवृत्ति तथा प्रतिशत

प्र.क्र.	समानार्थी शब्द	सही		गलत	
		F	%	F	%
1.	कुटुम	34	28.3	86	71.7
2.	विपत	62	51.7	58	48.3
3.	संसार	63	52.5	57	47.5
4.	तरूवर	41	34.2	79	65.8
5.	नर	30	25.0	90	75.0
कुल		-	38.34	-	61.66

उपरोक्त तालिका क्रमांक 4.3.1 से स्पष्ट देखा जा सकता है कि, समानार्थी शब्द संबंधित कुल 5 प्रश्न पूछे गये थे। जिसमें 61.66 प्रतिशत मध्य स्तर के उपर आनेवाले विद्यार्थियों की आवृत्ति एवं प्रतिशत क्रमशः 86 और 71.57 , 79 और 65.8 तथा 90 और 75.0 है। अतः कहा जा सकता है कि समानार्थी शब्द में प्रश्न क्रमांक 1, 4 और 5 (कुटुम, तरूवर, नर) में

विद्यार्थियों को कठिनाई ज्यादा हैं। प्रश्न क्रमांक 2 और 3 (विपत, संसार) में कठिनाई कम हैं।

✷ समानार्थी शब्द संबंधित अधिगम कठिनाई

- समानार्थी शब्दों की पहचान में कठिनाई होती हैं।
- शब्द भण्डार विकसित न होने से कठिनाई होती हैं।

4.3.2 विरूद्धार्थी शब्द–

तालिका क्रमांक 4.3.2

विरूद्धार्थी शब्द में विद्यार्थियों की आवृत्ति तथा प्रतिशत

प्र.क्र.	विरूद्धार्थी	सही		गलत	
		F	%	F	%
1.	कृतज्ञता	37	30.8	83	69.2
2.	सत्कार	82	68.3	38	31.7
3.	भूमि	108	90.0	12	10.0
4.	जीवित	84	70.0	36	30.0
5.	महेमान	54	45.0	66	55.0
कुल		-	60.82	-	39.18

उपरोक्त तालिका क्रमांक 4.3.1 से स्पष्ट देखा जा सकता है कि, विरूद्धार्थी शब्द संबंधित कुल 5 प्रश्न पूछे गये थे। जिसमें 39.18 प्रतिशत मध्य स्तर के उपर आनेवाले विद्यार्थियों की आवृत्ति एवं प्रतिशत क्रमशः 83 और 69.2 तथा 66 और 55.0 है। अतः कहा जा सकता है कि विरूद्धार्थी शब्द में प्रश्न क्रमांक 1 और 5 (कृतज्ञता, महेमान) में विद्यार्थियों को कठिनाई ज्यादा हैं। प्रश्न क्रमांक 2, 3 और 4 (सत्कार, भूमि, जीवित) में कठिनाई कम हैं।

✷ विरूद्धार्थी शब्द संबंधित अधिगम कठिनाई

- विरूद्धार्थी शब्द की पहचान में कठिनाई होती हैं।
- शब्दों का अर्थ न समझने से कठिनाई होती हैं।

4.3.3 बहुवचन –

तालिका क्रमांक 4.3.3

बहुवचन में विद्यार्थियों की आवृत्ति तथा प्रतिशत

प्र.क्र.	बहुवचन	सही		गलत	
		F	%	F	%
1.	माला	19	15.8	101	84.2
2.	नेता	27	22.5	93	77.5
3.	पेड़	47	39.2	73	60.8
4.	दिवार	61	50.8	59	49.2
5.	कौना	36	30.0	84	70.0
कुल		-	31.66	-	68.34

उपरोक्त तालिका क्रमांक 4.3.3 से स्पष्ट देखा जा सकता है कि, बहुवचन संबंधित कुल 5 प्रश्न पूछे गये थे। जिसमें 68.34 प्रतिशत मध्य स्तर के उपर आनेवाले विद्यार्थियों की आवृत्ति एवं प्रतिशत क्रमशः 101 और 84.2 ,93 और 77.5 तथा 84 और 70.0 है। अतः कहा जा सकता है कि बहुवचन में प्रश्न क्रमांक 1, 2 और 5 (माला, नेता, दिवार) में विद्यार्थियों को कठिनाई ज्यादा हैं। प्रश्न क्रमांक 3 और 4 (पेड़, कौना) में कठिनाई कम हैं।

✱ बहुवचन शब्द संबंधित अधिगम कठिनाई

- बहुवचन के शब्द बनाने में कठिनाई होती है।
- बहुवचन के प्रकार की पहचान में कठिनाई होती हैं।
- वचन परिवर्तन के नियमों का अभ्यास न होने से कठिनाई होती हैं।

4.3.4 लिंग –

तालिका क्रमांक 4.3.4

लिंग में विद्यार्थियों की आवृत्ति तथा प्रतिशत

प्र.क्र.	लिंग	सही		गलत	
		F	%	F	%
1.	बरसात	15	12.5	105	87.5
2.	आवाज़	31	25.8	89	74.2
3.	असर	56	46.7	64	53.3
4.	लालच	49	40.8	71	59.2
5.	मिनट	36	30.0	84	70.0
कुल		-	31.16	-	68.84

उपरोक्त तालिका क्रमांक 4.3.4 से स्पष्ट देखा जा सकता है कि, लिंग संबंधित कुल 5 प्रश्न पूछे गये थे। जिसमें 68.84 प्रतिशत मध्य स्तर के उपर आनेवाले विद्यार्थियों की आवृत्ति एवं प्रतिशत क्रमशः 105 और 87.5 ,89 और 74.2 तथा 84 और 70.0 है। अतः कहा जा सकता है कि लिंग में प्रश्न क्रमांक 1, 2 और 5 (बरसात, आवाज़, मिनट) में विद्यार्थियों को कठिनाई ज्यादा हैं। प्रश्न क्रमांक 3 और 4 (असर, लालच) में कठिनाई कम हैं।

✷ लिंग संबंधित अधिगम कठिनाई

- लिंग की पहचान करने में कठिनाइ होती हैं।
- लिंग के प्रकार की पहचान न होने से कठिनाई होती हैं।
- मातृभाषा के प्रभाव के कारण कठिनाई होती है।

4.3.5 शब्दों के शुद्ध रूप–

तालिका क्रमांक 4.3.5

शब्दों के शुद्ध रूप में विद्यार्थियों की आवृत्ति तथा प्रतिशत

प्र.क्र.	शब्दो के शुद्ध रूप	सही		गलत	
		F	%	F	%
1.	फिजूलखर्ची	9	7.5	111	92.5
2.	मनीआर्डर	9	7.5	111	92.5
3.	प्रारंभ	14	11.7	106	88.3
4.	मिष्ठान	36	30.0	84	70.0
5.	बृहस्पति	73	60.8	47	39.2
कुल		-	23.5	-	76.2

उपरोक्त तालिका क्रमांक 4.3.5 से स्पष्ट देखा जा सकता है कि, शब्दों के शुद्ध रूप संबंधित कुल 5 प्रश्न पूछे गये थे। जिसमें 76.2 प्रतिशत मध्य स्तर के उपर आनेवाले विद्यार्थियों की आवृत्ति एवं प्रतिशत क्रमशः 111 और 92.5,111और 92.5 तथा 106 और 88.3 है। अतः कहा जा सकता है कि शब्दों के शुद्ध रूप में प्रश्न क्रमांक 1, 2 और 3 (फिजूलखर्ची, मनीआर्डर, प्रारंभ) में विद्यार्थियों को कठिनाई ज्यादा हैं। प्रश्न क्रमांक 4 और 5 (मिष्ठान, बृहस्पति) में कठिनाई कम हैं।

✷ अशुद्ध शब्दों के शुद्ध रूप संबंधित अधिगम कठिनाई

- मात्रा संबंधित कठिनाई होती हैं।
- संयुक्ताक्षर संबंधित कठिनाई होती हैं।
- बिन्दु संबंधित कठिनाई होती है।

4.3.6 वाक्य बनाना–

तालिका क्रमांक 4.3.6

वाक्य बनाने में विद्यार्थियों की आवृत्ति तथा प्रतिशत

प्र.क्र.	वाक्य बनाना	सही		गलत	
		F	%	F	%
1.	शरारती	58	48.3	62	51.7
2.	अनुपम	29	24.2	91	75.8
3.	गौरव	30	25.0	90	75.0
4.	शिष्टाचार	39	32.5	81	67.5
5.	सफल	80	66.7	40	33.3
कुल		-	39.34	-	60.66

उपरोक्त तालिका क्रमांक 4.3.6 से स्पष्ट देखा जा सकता है कि, वाक्य बनाने से संबंधित कुल 5 प्रश्न पूछे गये थे। जिसमें 60.66 प्रतिशत मध्य स्तर के उपर आनेवाले विद्यार्थियों की आवृत्ति एवं प्रतिशत क्रमशः 91और 75.8 ,90और 75.0 तथा 81 और 67.5 है। अतः कहा जा सकता है कि वाक्य बनाना में प्रश्न क्रमांक 2, 3 और 4 (अनुपम,गौरव, शिष्टाचार) में विद्यार्थियों को कठिनाई ज्यादा हैं। प्रश्न क्रमांक 1 और 5 (शरारती, सफल) में कठिनाई कम हैं।

✱ वाक्य बनाने संबंधित अधिगम कठिनाई

- शब्दों की पहचान करने में कठिनाई होती है।
- वाक्य बनाने में कठिनाई होती हैं।

4.3.7 अर्थभेद–

तालिका क्रमांक 4.3.7

अर्थभेद में विद्यार्थियों की आवृत्ति तथा प्रतिशत

प्र.क्र.	अर्थभेद	सही		गलत	
		F	%	F	%
1.	सूर	21	17.5	99	82.5
2.	दीन	16	13.3	104	86.7
3.	घड़ियाल	15	12.5	105	87.5
4.	दफ्तर	14	11.7	106	88.3
5.	शीशा	18	15.0	102	85.0
कुल		-	14.00	-	86.00

उपरोक्त तालिका क्रमांक 4.3.7 से स्पष्ट देखा जा सकता है कि, अर्थभेद से संबंधित कुल 5 प्रश्न पूछे गये थे जिसमें 86.00 प्रतिशत मध्य स्तर के उपर आनेवाले विद्यार्थियों की आवृत्ति एवं प्रतिशत क्रमशः104और 86.7 ,105 और 87.5 तथा 106 और 88.3 है। अतः कहा जा सकता है कि अर्थभेद शब्द में प्रश्न क्रमांक 2, 3 और 4 (दीन, घड़ियाल, दफ्तर,) में विद्यार्थियों को कठिनाई ज्यादा हैं। प्रश्न क्रमांक 1 और 5 (सूर, शीशा) में कठिनाई कम हैं।

* अर्थभेद संबंधित अधिगम कठिनाई
  - मिलते–जुलते शब्दों की पहचान न होने से कठिनाई होती हैं
  - 'स' और 'श' शब्द की पहचान में कठिनाई होती है।
  - मातृभाषा के प्रभाव के कारण कठिनाई होती हैं।

4.3.8 विराम चिह्न–

तालिका क्रमांक 4.3.8

विराम चिह्न में विद्यार्थियों की आवृत्ति तथा प्रतिशत

प्र.क्र.	विराम चिह्न	सही		गलत	
		F	%	F	%
1.	अर्द्ध विराम चिह्न	32	26.7	88	73.3
2.	विराम चिह्न	71	59.2	49	40.8
3.	पूर्णविराम चिह्न	59	49.2	61	50.8
4.	अवतरण चिह्न	32	26.7	88	73.3
5.	लाधव चिह्न	26	21.7	94	78.3
कुल		-	36.7	-	63.3

उपरोक्त तालिका क्रमांक 4.3.8 से स्पष्ट देखा जा सकता है कि, विराम चिह्न से संबंधित कुल 5 प्रश्न पूछे गये थे। जिसमें 63.3 प्रतिशत मध्य स्तर के उपर आनेवाले विद्यार्थियों की आवृत्ति एवं प्रतिशत क्रमशः 88 और 73.3 ,88 और 73.3 तथा 94 और 78.3 है। अतः कहा जा सकता है कि विराम चिह्न में प्रश्न क्रमांक 1,4 और 5 (अर्द्धविराम चिह्न,अवतरण चिह्न,लाधव चिह्न,) में विद्यार्थियों को कठिनाई ज्यादा हैं। प्रश्न क्रमांक 2 और 3 (विराम चिह्न, पूर्ण विराम चिह्न) में कठिनाई कम हैं।

✱ विराम चिह्न संबंधित अधिगम कठिनाई

- विराम चिह्न की पहचान में कठिनाई होती हैं।
- विराम चिह्न के प्रकार की पहचान न होने से कठिनाई होती है।

4.3.9 वाक्य के प्रकार–

तालिका क्रमांक 4.3.9

वाक्य के प्रकार में विद्यार्थियों की आवृत्ति तथा प्रतिशत

प्र.क्र.	वाक्य के प्रकार	सही		गलत	
		F	%	F	%
1.	आज्ञावाचक वाक्य	73	60.8	47	39.2
2.	प्रश्नवाचक वाक्य	79	65.8	41	34.2
3.	विस्मयादिवाचक वाक्य	51	42.5	69	57.5
4.	संदेहवाचक वाक्य	10	8.3	110	91.7
5.	संकेतवाचक वाक्य	4	3.3	116	96.7
कुल		-	36.14	-	63.86

उपरोक्त तालिका क्रमांक 4.3.9 से स्पष्ट देखा जा सकता है कि, वाक्य के प्रकार से संबंधित कुल 5 प्रश्न पूछे गये थे। जिसमें 63.86 प्रतिशत मध्य स्तर के उपर आनेवाले विद्यार्थियों की आवृत्ति एवं प्रतिशत क्रमशः 110 और 91.7 तथा 116 और 96.7 है। अतः कहा जा सकता है कि वाक्य के प्रकार में प्रश्न क्रमांक 4 और 5 (संदेहवाचक वाक्य, संकेतवाचक वाक्य) में विद्यार्थियों को कठिनाई ज्यादा हैं।

✷ वाक्य के प्रकार संबंधित अधिगम कठिनाई

- वाक्य की पहचान में कठिनाई होती हैं।
- वाक्य के प्रकार की पहचान न होने से कठिनाई होती है।

4.3.10 मुहावरें–

तालिका क्रमांक 4.3.10

मुहावरें में विद्यार्थियों की आवृत्ति तथा प्रतिशत

प्र.क्र.	मुहावरे	सही		गलत	
		F	%	F	%
1.	नौ दो ग्यारह होना	73	60.8	47	39.2
2.	फूटी कोड़ी न देना	43	35.8	77	64.2
3.	बस का काम न होना	21	17.5	99	82.5
4.	हवा की तरह फैल जाना	18	15.0	102	85.0
5.	हिज्जेबाजी करना	35	29.2	85	70.8
कुल		-	31.66	-	68.34

उपरोक्त तालिका क्रमांक 4.3.10 से स्पष्ट देखा जा सकता है कि, मुहावरे के अर्थ देने से संबंधित कुल 5 प्रश्न पूछे गये थे। जिसमें 68.34 प्रतिशत मध्य स्तर के उपर आनेवाले विद्यार्थियों की आवृत्ति एवं प्रतिशत क्रमशः 99 और 82.5, 102 और 85.0 तथा 85 और 70.8 है। अतः कहा जा सकता है कि मुहावरे में प्रश्न क्रमांक 3,4 और 5 (बस का काम न होना, हवा की तरह फैल जाना, हिज्जेबाजी करना,) में विद्यार्थियों को कठिनाई ज्यादा हैं।

✷ मुहावरें से संबंधित अधिगम कठिनाई

- मुहावरे की पहचान करने में कठिनाई होती हैं।
- बोलचाल में प्रयुक्त मुहावरों का ज्ञान न होने के कारण कठिनाई होती हैं।
- मुहावरें का अर्थ न समझ पाने के कारण कठिनाई होती हैं।